

## HIGHLIGHTS OF **National Integration Youth Harmony Run-28 June'2009**

Brahmakumaris, Shanti Sarovar, Barnala Road, Sirsa.Ph:01666-238800, 09215691611

1. In the very hot month of June, cool breeze was blowing during the run and upto the closing ceremony was over.
2. Run was start from Bal Bhawan, Sirsa with flying of white pigeons, Playing of Band and Waving of Green Flag by Vice Chancellor of Ch. Devi Lal University, Sirsa in divine presence of BK Kailash Behanji, Chairperson of Youth Wing-North Zone.
3. Route of the Run was beautifully decorated with God Shiva Flags, Jhandis & Flowers.
4. CMO - Sirsa, Medical Superintendent - Sirsa, Distt.Child Welfare Officer Sirsa, alongwith representatives of prominent Social Organisations welcomed the run at main gate of Shaheed Bhagat Singh Stadium (Closing venue of run).
5. VIPs of different area of the city, welcomed the participants with flowers and waving Flags on the whole route of the run.
6. Center of attraction of Closing Ceremony was, very enjoying cultural item "Chak De India" performed by a prominent Dance Academy of Sirsa.
7. White Dress was made compulsory for Participants of the Run.
8. Participants were looking as angels on the earth in white costume with beautiful yellow badge of Harmony Run (given by institution).
9. Refreshment was arranged separately for participants and audience. All participants were given "Refreshment Coupon" for easy distribution of refreshment.
10. Program was concluded with National Anthem by BK Teachers.

## सेवा समाचार

राष्ट्रीय एकता युवा सद्भावना दौड़ - 28 जून'2009

Brahmakumaris, Shanti Sarovar, Barnala Road, Sirsa.Ph:01666-238800, 092156-91611

28जून'2009 की प्रभात, 700 युवा भाई-बहनें सफेद पोशाक, पीले बैज और हाथ में शिव परमात्मा की झण्डियां लेकर जब दौड़े तो जैसे सारे शहर के वातावरण में जैसे पवित्रता और शांति की तरंगे प्रवाहित होती प्रतीत हो रही थी। सड़क से गुजरने वाला हर व्यक्ति बड़े स्थिर नेत्रों से इन तरंगों का आनन्द ले रहा था। एक शिव परमात्मा के सुन्दर ध्वज के नीचे सड़कों पर दौड़ते हर जाति, वर्ग, धर्म के शहरी और ग्रामीण भाई-बहनें आसमान से उतरे हुए फरिश्ते प्रतीत हो रहे थे।

बाल भवन, सिरसा से प्रातः6.30 बजे चौ. देवी लाल युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डा. के. सी. भारद्वाज, बठिण्डा से पंजाब जोन के युवा प्रभाग की चेयरपरसन बी.के. कैलाश बहन जी तथा शहर की अन्य गणमान्य विभूतियों की शोभनिक उपस्थिति में, बैण्ड की संगीतमय गूंज के वातावरण में कबूतर उड़ाकर किया गया। डा. भारद्वाज जी नें हरी झण्डी और बी. के. कैलाश बहन जी नें शिव परमात्मा का ध्वज फहराकर इस दौड़ को रवाना किया। दौड़ के आगे घोड़े पर सवार एक भाई शिव बाबा का झण्डा हाथ में लिए दौड़ का नेतृत्व कर रहा था।

दौड़ के दौरान रास्ते में विभिन्न एरिया के लोगों नें फूल बरसा कर और झण्डियां हिलाकर दौड़ते हुए प्रतिभागियों का उमंग उत्साह बढ़ाया। दौड़ के समापन स्थल शहीद भगत सिंह स्टेडियम पर पहुंचने पर दौड़ का जोरदार स्वागत किया गया। शहर के सिविल सर्जन (CMO) डा. नरेन्द्र चौधरी, सिरसा के मेडिकल सुपिनटैन्डेंट डा. एस एल अग्रवाल, जिला बाल कल्याण अधिकारी श्रीमति कमलेश चाहर, शहर की प्रमुख समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पटाखे फूलों और मालाओं द्वारा दौड़ने वालों का वैलकम किया।

दौड़ के समापन समारोह के उपलक्ष्य में स्टेडियम में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. नरेन्द्र चौधरी नें इस मौके अपने हार्दिक

उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी के उत्थान के लिए ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन मैंने आज तक किसी भी अन्य संस्था द्वारा होते नहीं देखा। मैं संस्था के इस सराहनीय कार्य से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। सभा में उपस्थित युवाओं के लिए अपने सन्देश में उन्होंने कहा कि नशामुक्त और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए राजयोगा मेडिटेशन का अभ्यास बहुत सहायक है। युवाओं को अपनी ही समस्याओं में न उलझ कर समाज और राष्ट्र के उत्थान के कार्य में भी आगे आना चाहिए।

बी.के. कैलाश बहन जी ने अपने दिव्य उद्बोधन द्वारा सबका उमंग उत्साह बढ़ाया और कहा कि युवा अगर ठान ले तो धरती पर स्वर्ग लाना बहुत सहज कार्य है।

बी. के. कृष्णा बहन जी ने दौड़ने वाले युवाओं और कार्यक्रम में पहुंचे मेहमानों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में बी.के. बिन्दू बहन जी ने दौड़ के लक्ष्य को सपष्ट करते हुए कहा कि दौड़ इस बात का प्रतीक है कि हम अपने मन में उठने वाले सकारात्मक विचारों को रुकने न दें उन्हें सदा गतिशील रखें। अपने माता-पिता और परिजनों की भावनाओं का आदर करते हुए समाज को एक नई दिशा प्रदान करें। उन्होंने आगे कहा कि जब कोई युवा तेज धूप में दौड़कर अपना पसीना बहाता है तो उस क्षण उसे अपने माता-पिता के द्वारा उसके पालन पोषण के लिए बहाए गए पसीने का एहसास होता है।

बी.के. रुपिन्दर बहन ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया और बी.क. वीनू बहन ने सबसे समाज और राष्ट्र उत्थान के कार्यों में सहभागी बनने का संकल्प कराया।

ब्रह्माकुमार ओम प्रकाश जी ने कुशल मंच संचालन किया और अन्त में बी.के. बहनों द्वारा राष्ट्रीय गान प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।